TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

02 अगस्त 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जितना अध्ययन करते हैं उतना ही हमें

अपने अज्ञान का आभास होता है।

स्वामी विवेकानंद जी

राकेश कुमार

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

02 अगस्त

1. **दादर एवं नागर हवेली मुक्ति दिवस–** दादर एवं नागर हवेली भारत का एक केन्द्रशासित प्रदेश है। यह क्षेत्र बहुत पहले मराठाओं के अधीन था। इसके आसपास के समुद्र के उपयोग को लेकर मराठा शक्ति और पुर्तगालियों के बीच लंबे समय तक संघर्ष चलता रहा। अंततः 17 दिसम्बर, 1779 ई. को मराठा शक्ति और पुर्तगालियों के बीच एक शांति समझौता हुआ, जिसके अनुसार 12,000 रु0 राजस्व के बदले दादर एवं नागर हवेली क्षेत्र पुर्तगालियों को सौंप दिया गया। इस क्षेत्र पर 2 अगस्त, 1954 ई. तक पुर्तगालियों का शासन रहा। बाद में 11 अगस्त, 1961 ई. को 10वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारत को इसे अभिन्न हिस्सा मानते हुए संघशासित क्षेत्र घोषित कर दिया गया। इसी कारण प्रतिवर्ष 2 अगस्त को दादर एवं नागर हवेली मुक्ति दिवस मनाया जाता है।
   - **संदर्भः** वर्ग आठ की इतिहास की पाठ्यपुस्तक **'अतीत से वर्तमान भाग 3' के अध्याय 13** से जोड़कर चर्चा करें।
2. **आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय का जन्मदिन–** भारत के महान रसायनज्ञ तथा महान शिक्षक आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय का जन्म 2 अगस्त, 1861 ई. को जेस्सोर, बांग्लादेश में हुआ था। इन्होंने वर्ष 1992 में देश की पहली रसायन कम्पनी 'बंगाल केमिकल्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड' की स्थापना किया था। इन्हें 'नाइट्राइट्स का मास्टर' कहा जाता है। इन्होंने मर्क्युरस नाइट्रेट रसायन को सर्वप्रथम आइसोलेट किया था। इनके प्रमुख शिष्यों में सत्येन्द्रनाथ बोस, मेघनाथ साहा आदि प्रमुख हैं। इन्होंने 'हिन्दु रसायन का इतिहास' नामक प्रसिद्ध पुस्तक भी लिखा। ब्रिटिश सरकार ने वर्ष 1919 में इन्हे 'नाइट' की उपाधि भी प्रदान की थी।
3. **खुदाबख़्श खां का जन्म दिन–** खुदाबख़्श खां का जन्म 2 अगस्त, 1842 ई. को बिहार के सीवान जिले में उखई नामक स्थान पर हुआ था। वे एक प्रसिद्ध वकील थे। वर्ष 1877 में वे पटना नगर निगम के पहले उपाध्यक्ष भी बने। शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें 1891 ई. में 'खान बहादुर' का खिताब भी दिया गया। उनके जीवन की प्रसिद्ध उपलब्धि अपने पिता के मूल्यवान पुस्तकों के संग्रह से पटना में 'खुदाबख़्श खान ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी' खोलना था। 1895 ई. में उन्हें हैदराबाद के निजाम के उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के रूप में भी नियुक्त किया गया था।
4. **ग्रीनवीच मीन टाइम की स्वीकृति–** ग्रीनवीच मीन टाइम को ब्रिटिश संसद द्वारा अधिकृत तौर पर 2 अगस्त, 1880 ई. को स्वीकार किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय मानक समय (ग्रीनवीच मीन टाइम) का निर्धारण इंग्लैंड के ग्रीनवीच वेधशाला से होता है। इसी समय को मानक मानकर संसार के विभिन्न देशों में समय क्षेत्र के अनुसार समय का निर्धारण किया जाता है।

Friday

Madhu priya

दिवस विशेष

2 अगस्त

मधु प्रिया

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र का जन्म 2 अगस्त

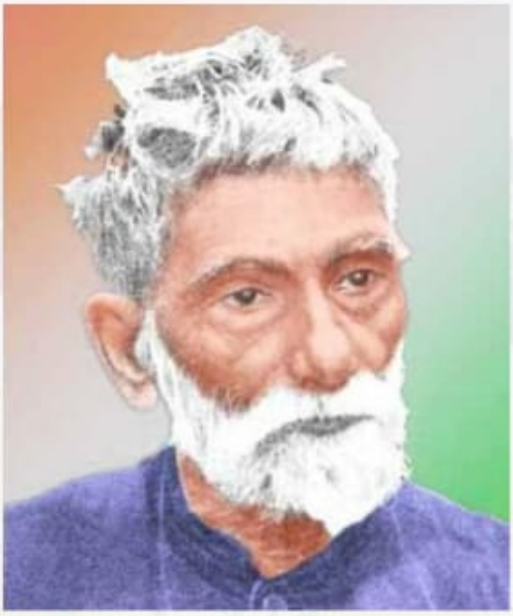

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र का जन्म 2 अगस्त 1861 ई. में जैसोर ज़िले के ररौली गांव में हुआ था। उनका पूरा नाम आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय था। 1879 में उन्होंने दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। फिर आगे की पढ़ाई मेट्रोपोलिटन कॉलेज (अब विद्यासागर कॉलेज) में शुरू की। उस समय रसायन विज्ञान ग्यारहवीं कक्षा का एक अनिवार्य विषय था। वहीं पर पेडलर महाशय की उत्कृष्ट प्रयोगात्मक क्षमता देखकर धीरे-धीरे वे रसायन विज्ञान की ओर उन्मुख हुए। अब प्रफुल्ल चंद्र राय ने रसायन विज्ञान को अपना मुख्य विषय बनाने का निर्णय कर लिया था। पास में प्रेसिडेंसी कॉलेज में विज्ञान की पढ़ाई का अच्छा इंतज़ाम था,इसलिए वह बाहरी छात्र के रूप में वहाँ भी जाने लगे। वर्ष 1885 में उन्होंने पी.एच.डी का शोधकार्य पूरा किया। 1887 में "ताम्र और मैग्नीशियम समूह के 'कॉन्जुगेटेड' सल्फेटों" के बारे में किए गए उनके कार्यों को मान्यता देते हुए एडिनबरा विश्वविद्यालय ने उन्हें डी.एस.सी की उपाधि प्रदान की। आचार्य प्रफुल्ल चंद्र को जुलाई 1889 में प्रेसिडेंसी कॉलेज में 250 रुपये मासिक वेतन पर रसायनविज्ञान के सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया गया। यहीं से उनके जीवन का एक नया अध्याय शुरू हुआ। 1911 में वे प्रोफेसर बने। उसी वर्ष ब्रिटिश सरकार ने उन्हें 'नाइट' की उपाधि से सम्मानित किया। 1916 में प्रेसिडेंसी कॉलेज से रसायन विज्ञान के विभागाध्यक्ष के पद से सेवानिवृत्त हुए। फिर 1916 से 1936 तक उसी जगह एमेरिटस प्रोफेसर के तौर पर कार्यरत रहे। वे देश विदेश के अनेक विज्ञान संगठनों के सदस्य रहे। उन्होंने एक और महत्वपूर्ण कार्य किया था,वह था अमोनियम नाइट्राइट का उसके विशुद्ध रूप में संश्लेषण। इसके पहले माना जाता था कि अमोनियम नाइट्राइट का तेजी से तापीय विघटन होता है तथा यह अस्थायी होता है। राय ने अपने इन निष्कर्षों को फिर से लंदन की केमिकल सोसायटी की बैठक में प्रस्तुत किया। 16 जून 1944 वह दिन था जब आचार्य प्रफुल्लचंद्र राय इस महान वैज्ञानिक और देशभक्त का निधन कलकत्ता में हो गया।

जयंती विशेष 02 अगस्त

राकेश कुमार

पिंगलि वेंकय्या अथवा 'पिंगली वेंकैय्या' *Pingali Venkayya*, जन्म: 2 अगस्त, 1878, आन्ध्र प्रदेश; मृत्यु: 4 जुलाई, 1963) भारत के राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' के अभिकल्पक थे। वे भारत के सच्चे देशभक्त, महान् स्वतंत्रता सेनानी एवं कृषि वैज्ञानिक भी थे।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 02.08.2024

प्रभावी शिक्षण

' प्रभावी शिक्षण ' शब्द शिक्षण और सीखने के उन तरीकों का वर्णन करता है जो बच्चों को उनके स्वयं के सीखने और व्यक्तिगत विकास में सक्रिय रूप से शामिल करते हैं। इसे बच्चों द्वारा सीखना सीखने के तरीके के रूप में सोचें, न कि केवल जानकारी को रटना या शिक्षकों या अन्य बच्चों से तकनीक की नकल करना।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

Italy का Venice एक ऐसा शहर है जहां एक भी Road और Car नही है यहां लोग Boat से Travel करते हैं।

समाचार स्रोत :
दैनिक भास्कर

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

ओलम्पिक से

26 जुलाई से 11 अगस्त

पेरिस (फ्रांस)

पेरिस ओलिंपिक में भारत को तीसरा मेडल: शूटर स्वप्निल कुसाले ने ब्रॉन्ज जीता, 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कामयाबी

पेरिस ओलिंपिक में बुधवार को भारत को तीसरा मेडल मिला। 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन की मेंस कैटेगरी में शूटर स्वप्निल कुसाले ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। स्वप्निल ने कुल 451.4 अंक हासिल किए।

रवि शर्मा

आओ सीखें

' है ' और ' हैं ' में अंतर

1. है - एकवचन , हैं - बहुवचन

जैसे :- (क) मछली जल में तैरती है।

(ख) मछलियाँ जल में तैरती हैं।

2. बड़ो के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए भी एकवचन के साथ ' हैं ' का प्रयोग किया जाता हैं।

जैसे :- दादा जी बैठे हैं , और दादी अखबार पढ़ रही हैं ।

2 अगस्त

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज

'तिरंगा' के अभिकल्पक

पिंगली वेंकैया

की जयंती पर उन्हें शत्-शत्

नमन

02 अगस्त 1876 - 04 जुलाई 1963

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari

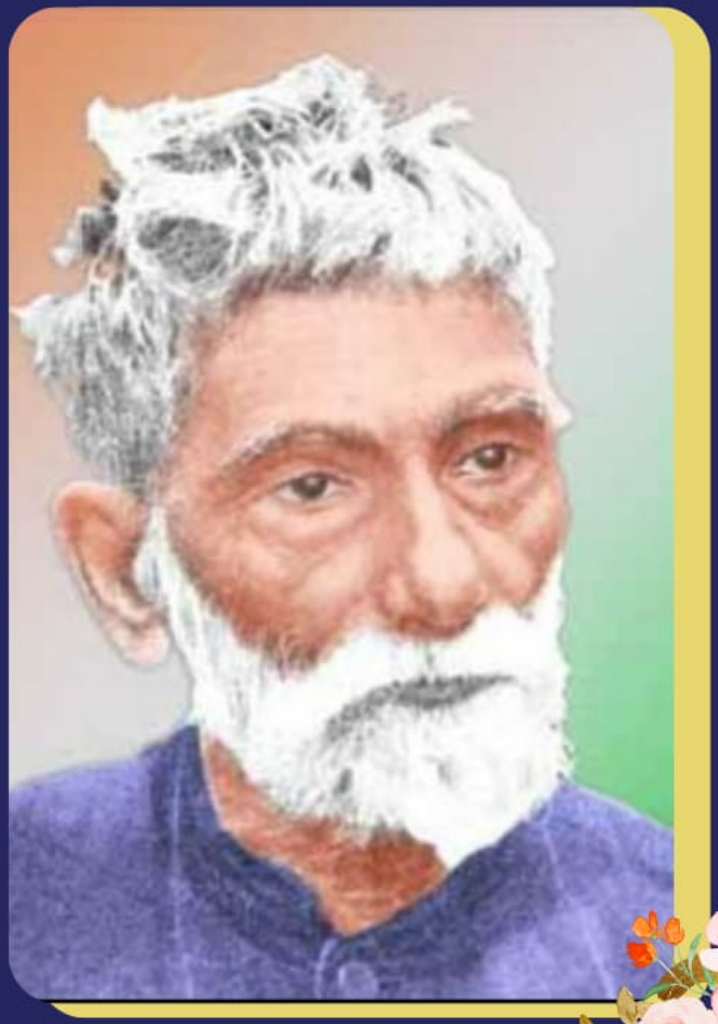

आधुनिक रसायन शास्त्र के प्रथम भारतीय व्याख्याता

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय

की जयंती पर सादर नमन।

जन्म – 2 अगस्त 1861 – मृत्यु– 16 जून 1944

www. teachersofbihar.org

Madhu priya

देश की सम्पूर्ण विविधता को मात्र
एक पताका में पिरोने वाले,
भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' के
अभिकल्पक

पिंगली वेंकैया

की जयंती पर सादर नमन।

जन्म- 2 अगस्त 1876 - मृत्यु- 4 जुलाई 1963

www.teachersofbihar.org

Madhu priya